प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में एडवांस इन पॉलीमर मटेरियल पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

पंतनगर। 26 अप्रैल 2023। विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन किया गया। 'एडवांस इन पॉलीमर मटेरियल' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के लगभग 12 राज्यों के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के वैज्ञानिकों तथा शोध छात्रों द्वारा संगोष्ठी के विषय से संबंधित व्याख्यान प्रस्तुत किए गये। संगोष्ठी में भारत के पड़ोसी देशों के वैज्ञानिकों ने भी बढ़–चढ़कर प्रतिभाग कर संगोष्ठी की उपयोगिता को आज के समय की आवश्यकता बताया। इस दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र डीआरडीओ के वैज्ञानिक डा. पीके रॉय ने प्रोटेक्टिव पोलीयूरिया कोटिंग फार ब्लास्ट मिटिगेशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए संगोष्ठी के विषय की उपयोगिता को समझाया। मदरहुड विश्वविद्यालय उत्तराखंड के प्रोफेसर एवं डीन डा. विकास गुप्ता ने तकनीकी सत्र के चेयर पर्सन के रुप में शिरकत की। सत्र के दौरान मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डा. पुष्पेंद्र कुमार ने नैनोकंपोजिट मैटेरियल्स एंड गैप इंजीनियरिंग आफ नैनो डोपिंग जैसे महत्वपूर्ण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्र के चेयर पर्सन के रूप में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कॉलेज गवर्नमेंट काउंसिल के डायरेक्टर डा. आरके द्विवेदी ने शिरकत की। एक तकनीकी सत्र के दौरान डिवेलप डीआरडीओ हल्द्वानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अतुल ग्रोवर ने लाइटनिंग बायोडिग्रेडेशन नामक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। सत्र की अध्यक्षता कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के प्रोफेसर डा. शाह राज अली ने की। सस्टेनेबल पॉलीमर मैटेरियल्स इन कोरोजन प्रोटेक्शन विषय पर बोलते हुए ए एन कॉलेज पटना बिहार विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डा. शीरिन मशरूर ने संगोष्ठी के विषय को उपयोगी बताते हुए वातावरण के लिए उपयोगी विभिन्न पॉलीमर मटेरियल का वर्गीकरण विषय पर विस्तृत चर्चा की। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डा. वरुण सिंह ने की। उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद यूकोस्ट देहरादून से पधारे परियोजना प्रबंधक डा. अजय कुमार तिवारी ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। एलपीयू पंजाब से पधारे डा. हरीश मुडीला तथा मदरहुड विश्वविद्यालय उत्तराखंड के डा. विकास गुप्ता ने भी तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। इसके पूर्व इसके पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ के तंत्र डिसीप्लिनरी नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के फाउंडर डायरेक्टर डा. अबसार अहमद ने बायोसिंथेसिसः ए रिवॉल्यूशनरी अप्रोच टू प्रोडक्शन आफ नैनोमेटेरियल्स विद वाइड रेंज आफ एप्लीकेशंस नामक विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्या प्रस्तुत कर राष्ट्रीय संगोष्ठी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर डा. प्रेमपाल ने अपने सिलिकॉन बल्क माइक्रोमैक्स ने फॉर माइक्रो रिप्लिकेशन एंड पॉलीमर्स विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। पॉलीमर टेक्नोलॉजी विषय के ऑफलाइन पोस्टर प्रेजेंटेशन के सत्र में पंतनगर विश्वविद्यालय की डा. अंजना श्रीवास्तव, गलगोटिया कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा के डा. पंकज पठानिया, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पंतनगर के डा. सोनिका चौहान तथा एमबीजी के डा. स्नेह गौतम ने संयुक्त रूप से अध्यक्षता की। नैनोमेटेरियल्स विषय पर आयोजित ऑफलाइन पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र की अध्यक्षता पंतनगर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के डा. बी सी चनियाल तथा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदायूं से पधारे भौतिक विज्ञान विषय के प्राध्यापक डा. संजीव राठौर ने की। ऑफलाइन पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र में अप्लाइड साइंस विषय पर आहूत किए गए। सत्र की अध्यक्षता पंतनगर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विवेकानंद ने की। ऑफलाइन पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र में 45 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया तथा संगोष्ठी के द्वितीय दिन ऑनलाइन एवं ओरल प्रेजेंटेशन तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन मे क्रमशः 40 तथा 25 वैज्ञानिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन डा. एमजीएच जैदी तथा डा. समीना मेहताब ने किया।

निदेशक संचार